ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर

कृषि विज्ञानं केंद्र, कटिहार

बुलेटिन नं.363/2022/ ए. ए. एस. /कटिहार दिनांक – 07.07.2023

कटिहार जिला के लिए कृषि मौसम सलाहकार बुलेटिन

(08 जुलाई, 2023 से 12 जुलाई, 2023)

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

दिनांक	वर्षापात (मि. मि.)	अधिकतम तापमान (डिग्री से. ग्रे.)	न्यूनतम तापमान (डिग्री से. ग्रे.)	अधिकतम आद्रता (%)	न्यूनतम आद्रता (%)	हवा की गति (कि.मी./घं)	हवा की दिशा	बादल
08.07.2023	28	33.1	24.8	84	61	14	दक्षिणी पूरबी	अधिकांशतः बादल
09.07.2023	21	34.1	25.5	85	56	14	दक्षिणी पूरबी	अधिकांशतः बादल
10.07.2023	40	35.1	26.1	84	57	10	दक्षिणी पूरबी	अधिकांशतः बादल
11.07.2023	48	33.5	25.8	86	65	12	दक्षिणी पूरबी	अधिकांशतः बादल
12.07.2023	53	28.8	23.1	96	70	11	दक्षिणी पूरबी	अधिकांशतः बादल

फसल	फसल की अवस्था	कृषि मौसम सलाहकार बुलेटिन
पशुपालन	लंगड़ी ज्वर	लंगड़ी ज्वर -यह बीमारी 6 माह से 2 वर्ष तक पशुओं में सामान्यतः बरसात के दिनों में अधिक फैलती है। इस रोग में शुरू में तेज बुखार, अगले व पिछले पैरों में लंगड़ापन एवं इसके ऊपरी भाग के मांसपेशियों में सूजन दिखाई देती है , इस सूजे हुए भाग को दबाने से चड़चड़ाहट की आवाज़ होती है। इस रोग का लक्षण दिखाई देने पर अतिशीघ्र नजदीकी पशुचिकित्सक से संपर्क करें।
पशु चारा	बुआई	वार्षिक चारा के रूप में पैरा घास नीची जमीन में (जहां पानी का जमाव होता है) तथा संकर नेपियर ऊंची जमीन में लगाएं।
पाट	वानस्पतिक विकास	पाट में भुआ पिल्लू एवं सेमीलूपर कीट के विरुद्ध निगरानी करते रहें। यह कीट पत्ते को खा कर जालीनुमा बना देता है। बचाव हेतु इंडोक्साकार्ब्र 14 .5 एस ० जी ० का 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करना चाहिए।
बकरीपालन		बरसात के मौसम में बकरियों में छेरा बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए बकरीपालकों को सलाह दी जाती है की छेड़ा बीमारी के खिलाफ पी० पी० आर० का टीकाकरण जरूर करवा लें। टीकाकरण के पूर्व बकरियों को सुबह में कृमि की दवा एवं साथ में लीवर टॉनिक 3 दिन तक पिलाएं ।
खरीफ धान	बिचड़ा बुआई	➢ प्रचलित मौसम को देखते हुए कृषकों को सलाह दे जाती है की जिन कृषकों का धान का बिचड़ा तैयार हो धान की रोपाई शुरू कर दें। रोपाई हेतु मुख्य खेत में अनुसंशित उर्वरक की मात्रा का नेत्रजन की आधी एवं स्फूर तथा पोटाश की पुरी मात्रा और जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से अंतिम जुताई के समय एवं कदवा के पूर्व खेत में मिलाएं। ➢ **खरपतवार नियंत्रण** . खरपतवार नाशी दवा प्रेटीलाक्लोर 50 ई ० सी ० का 2.5 से 3.0 लीटर का 700 से 800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से रोपाई के 2 से 4 दिनों के भीतर करनी चाहिए।
बागवानी	रोपाई	पहले से तैयार गड्ढों में इस माह के अंत तक नए बाग़ के लिए पौधे लगा दें। आम, लीची, अमरुद आदि फलदार पौधों का नए बाग़ में रोपाई करें। जब वर्षा हो रही हो तो रोपनी नहीं करनी चाहिए।

आप खेत खलियान में काम कर रहे हों और किसी सुरक्षित स्थान की शरण न ले पाए हों तो आसमानी बिजली से बचाव के लिए. जहां हैं वहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सूखी चीजें जैसे. लकड़ी,प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें। वहीं पर उकड़ू की स्थिति (दोनों पैरों को आपस में सटा लें, दोनों हाथों की घुटनों पर रख कर अपने सर को जमीन के तरफ यथासंभव झुका लें तथा सिर को जमीन से न सटने दें) में बैठ जाएँ।

डॉ० कुमारी शारदा, नोडल पदाधिकारी

श्रीमती स्वीटी कुमारी, विषय वस्तु विशेषज्ञ (एग्रोमेट)

दूरभाष नंबर -7634970155	दूरभाष नंबर -8051460991
Email ID: katiharkvk@gmail.com	**Email ID: katiharkvk@gmail.com**